5 Aug 2025

प्रदर्शन कला

1. लोक गीत, लोक संगीत, लोकनृत्य, लोक नाट्य, चित्रकला, लोक कला, हस्तकला

(1) लोक गीत

" मानव मन में उत्पन्न विचार गीत के माध्यम से प्रस्तुत करना, लोक गीत कहलाता है। "

Imp देवेन्द्र सत्यार्थी → " लोक गीत किसी संस्कृति के मुख बोले चित्र होते हैं। "

महात्मा गाँधी → " लोक गीत हमारी संस्कृति के पहरेदार / रक्षक हैं। "
- " लोक गीत भारतीय जनता की भाषा है। "

प० नेहरू → " लोक गीत भारतीय जनसमुदाय की आत्मा है। "

Imp रविन्द्र नाथ टैगोर → " लोक गीत हमारी संस्कृति में सुखद संदेश लाने के एक कला है। "

V.Imp आचार्य रामचन्द्र शुक्ल → " हमारी संस्कृति लोक गीतों के कंधों पर बैठी है। "